शाहरुख खान पर भारत और पाकिस्तान में वाक युद्ध

भारत और पाकिस्तान के बीच अक्सर होने वाली 'तू-तू, मैं-मैं' के केंद्र में मंगलवार को बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान आ गए हैं। पकिस्तान के मंत्री रहमान मलिक की इस टिप्पणी की कि 'भारत अभिनेता को सुरक्षा मुहैया कराए' की त्वरित और तीखी प्रतिक्रिया के तौर पर नई दिल्ली ने कहा कि इस्लामाबाद अपने ही 'अल्पसंख्यकों' पर ध्यान केंद्रित करे।

शाहरुख के उनके मुस्लिम होने संबंधी एक विवादित बयान ने तब बड़े विवाद का रूप ले लिया जब इसे लेकर जमात-उद-दावा के सरगना हाफिज सईद ने यह कहा कि स्टार को पाकिस्तान आ जाना चाहिए। इस विवाद में घी डालते हुए मलिक ने इस्लमाबाद में कहा कि भारत शाहरुख को सुरक्षा मुहैया कराए।

भारत ने इसका जवाब देने में तनिक भी देरी नहीं की। मीडिया में जैसे ही मलिक की टिप्पणी आई वैसे ही केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री मनीष तिवारी और केंद्रीय गृह सचिव आरके सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अपने ही देश की हालत पर चिंता करे। तिवारी और आरके सिंह दोनों के बयान मलिक की टिप्पणी की करीब-करीब भर्त्सना करने के जैसा है।

तिवारी ने नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि भारत में अल्पसंख्यकों के साथ कैसा बर्ताव हो रहा है इसका अवलोकन करने की जगह वे (मलिक) इस बात पर ध्यान दें कि वे अपने देश में अल्पसंख्यकों की दशा कैसे सुधार सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की चीजों की बजाय यदि मलिक अपने देश के घरेलू मामलों पर ही ध्यान केंद्रित रखें तो यह पाकिस्तान की खुशनसीबी होगी।

शाहरुख (47) ने दी न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ प्रकाशित आउटलुक टर्निंग प्वाइंट पत्रिका में लिखा है कि मैं कभी-कभी राजनेताओं का हथियार बन जाता हूं, जो मुझे गलत और देशद्रोही भारतीय मुसलमानों का प्रतीक बनाने लगते हैं। कई ऐसे भी मौके आए जब मुझ पर अपने देश से ज्यादा पड़ोसी मुल्क के प्रति वफादार होने का आरोप लगाया गया।

उन्होंने लिखा कि यह सब इसके बावजूद कि मैं एक ऐसा भारतीय हूं जिसके पिता ने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया था। रैलियां हुई जहां नेताओं ने मुझे देश छोड़ कर वहां जाने के लिए कहा जिसे वे लोग मेरी असली मातृभूमि के रूप में उल्लेख करते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वे अपने नाम के कारण आतंकवादी भी समझ लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि संयोग से मेरे जैसा समान नाम होने को लेकर मैंने एक फिल्म 'माइ नेम इज खान' (और मैं एक आतंकवादी नहीं हूं) बनाई। यह इसी बात को साबित करती है।